हरिभूमि
समाचार ही नहीं, विचार भी

Date: 11.04.2024

सीआरएसयू में अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विवि के गणित विभाग की तरफ से मंगलवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डा. अनुपम भाटिया ने अभिभावकों का स्वागत करते कहा कि यह ऐसा मंच है जहां अभिभावक व अध्यापक आपस में विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी व समस्याएं सांझा करते हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व से जुड़ी बातों को एक-दूसरे से सांझा करना और शैक्षणिक स्तर पर विद्यार्थियों की कमियों को दूर करने की कोशिश करना है। इस बैठक के जरिये अभिभावक बच्चों की प्रतिभाओं, कमजोरियों को पहचान पाते हैं।

my city
अमर उजाला
सूर्योदय सुबह 6:02
सूर्यास्त शाम 6:49
स्थानीय समयानुसार
38° 21°
temperature
अगले 7 दिनों का पूर्वानुमान देखें-
amarujala.com/weather
रोहतक | वीरवार | 11.04.2024
चैत्र, शुक्ल पक्ष, तृतीया, विक्रम संवत 2081
amarujala.com/jind
जींद

छात्रों ने देखी डॉ. भीमराव आंबेडकर फिल्म

संवाद न्यूज एजेंसी

सीआरएसयू में डॉ. भीम राव आंबेडकर फिल्म देखते छात्र। स्रोत : विश्वविद्यालय

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में बुधवार को छात्रों ने डॉ. भीमराव आंबेडकर फिल्म देखी। फिल्म के माध्यम से छात्रों को बाबा साहेब के जैसे संघर्ष करने की प्रेरणा दी गई।

फिल्म में बाबा साहेब की ओर से किए गए संघर्षों, विशेष तौर पर नारी उत्थान, दलित के साथ होने वाले शोषण एवं अन्य पीड़ित वर्गों के उत्थान और तमाम विपरित परिस्थितियों से जूझते हुए बाबा साहब के राष्ट्र निर्माण में योगदान को दर्शाया गया है, जिसमें सैंकड़ों छात्रों ने बहुत ही रूचि के साथ संपूर्ण फिल्म को देखा और उससे प्रेरणा प्राप्त की।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन में आने वाले संघर्षों पर प्रकाश डाला। कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षा को उन्नति और सामाजिक समरसता का माध्यम माना। उन्होंने बाबा साहेब की उपलब्धियों व उनके द्वारा किए गए समाज सुधार के कार्यों और सामाजिक परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।

पंजाब केसरी

Date: 11.04.2024

सी.आर.एस.यू. के कई विभागों में अभिभावक-शिक्षक मीटिंग आयोजित

मीटिंग में भाग लेते अभिभावक।

सी.आर.एस.यू. में आयोजित मीटिंग में मौजूद अभिभावक-शिक्षक।

जींद, 10 अप्रैल (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग, लोक प्रशासन विभाग, समाजशास्त्र विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग द्वार आज अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्तर पर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संपर्क विद्यार्थियों के उत्कृष्ट विकास में सहायक होगा।

विभाग प्रभारी डा. सुनील फौगाट ने सभी अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि किसी छात्र की शैक्षणिक प्रगति के बारे में माता-पिता और शिक्षकों के बीच कुशलतापूर्वक संवाद करने से छात्रों के प्रदर्शन में वृद्धि हो सकती है। इससे शिक्षकों को छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों की ओर सही दिशा में आगे बढ़ाने में मदद मिलती है।

उन्होंने कहा कि अभिभावकों का बैठक में आना न केवल विद्यार्थियें के विकास की सकारात्मक सीढ़ी है बल्कि विभाग की प्रगति में भी सहायक होगा। बैठक में बातचीत करते हुए सभी को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं और छात्रों को इनका लाभ उठाना चाहिए तथा विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई, जो विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

विभागों के इंचार्ज डा. विजय कुमार, डा. राकेश सिंह कुमार, डा. मंजू राजेश, डा. अंजू रानी आदि ने बताया अभिभावक-शिक्षक बैठक सहयोग का एक ऐसा अवसर है, जिसमें माता-पिता अपने बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते है।

इस अवसर पर डा. दीपक कुमार, डा. रीतू रानी, डा. विक्रम, डा. नीलम सिंह, डा. पूनम, डा. दीपिका, डा. सुदेश, डा. प्रीति और डा. संदीप, डा. रेखा, संतोष रानी, रीना रानी, बलजीत, अशोक व मनोज भी उपस्थित रहे।

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद के गणित विभाग की तरफ से मंगलवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपम भाटिया ने अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि यह ऐसा मंच है जहां अभिभावक और अध्यापक आपस में विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी व समस्याएं सांझा करते हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व से जुड़ी बातों को एक-दूसरे से सांझा करना और शैक्षणिक स्तर पर विद्यार्थियों की कमियों को दूर करने की कोशिश करना है।

इस बैठक के जरिये अभिभावक बच्चों की प्रतिभाओं, कमजोरियों को पहचान पाते हैं। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक संदीप सांगवान, सुनीता देवी व अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी

Date: 11.04.2024

बच्चों ने देखी डा. भीमराव आम्बेडकर की फिल्म

सी.आर.एस.यू. में डा. भीमराव आम्बेडकर की फिल्म देखते बच्चे।

जींद, 10 अप्रैल (ललित) : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में बाबा साहेब डा. भीमराव आम्बेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को डा. बाबा साहेब आम्बेडकर के संघर्ष व समाज सुधार संबंधित फिल्म दिखाई गई। फिल्म में बाबा साहब द्वारा किए गए संघर्षों, विशेष तौर पर नारी उत्थान, दलित के साथ होने वाले शोषण एवं अन्य पीड़ित वर्गों के उत्थान और तमाम विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए बाबा साहब के राष्ट्र निर्माण में योगदान को दर्शाया गया है। इसमें सैंकड़ों छात्रों ने बहुत ही रुचि के साथ सम्पूर्ण फिल्म को देखा और उससे प्रेरणा प्राप्त की।

विश्वविद्यालय के कुलपति डा. रणपाल सिंह ने डा. भीमराव आम्बेडकर के जीवन में आने वाले संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब आम्बेडकर ने शिक्षा को उन्नति और सामाजिक समरसता का माध्यम माना। उन्होंने शिक्षा को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया और स्वतंत्रता, स्वावलंबन और आत्म-समर्पण के माध्यम से जनता को शिक्षित करने का संकल्प लिया। उनका जीवन विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व को समझने और उसे अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करती है। उनकी उपलब्धियों व उनके द्वारा किए गए समाज सुधार के कार्यों और सामाजिक परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि डा. आम्बेडकर भारत के ही नहीं अपितु विश्व के प्रमुख विद्वान रहे हैं। बाबा साहब आम्बेडकर ने किसी वर्ग विशेष के लिए नहीं बल्कि सम्पूर्ण समाज के अंदर फैली कुरीतियों को दूर करने के लिए काम किया है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन ने कहा कि बाबा साहेब आम्बेडकर ने समाज में सुधार के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित किया। उन्होंने दलितों और अन्य वंचित समुदायों के लिए उन्नति और समानता की मांग की। उनका योगदान विद्यार्थियों को सामाजिक जिम्मेदारी प्रति जागरूक करता है और उन्हें सामाजिक बदलाव के लिए सक्रिय भागीदार बनाता है।

एस.सी., एस.टी., ओ.बी.सी. सैल के नोडल अधिकारी डा. राकेश सिंहमार ने बताया कि बाबा साहब आम्बेडकर ने समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए काम किया। इस दौरान डा. अजमेर सिंह, डा. सुनील फोगाट, डा. जितेंद्र कुमार, डा. विजय कुमार, डा. परवीन गहलोत, डा. जयपाल, डा. जसमेर लोहान, डा. अनुपम भाटिया, डा. जसवीर सूरा, डा. बालाराम, डा. मंजु, डा. राजेश कुमार, डा. अंजु, डा. विशाल वर्मा, डा. भावना, डा. कृष्ण देशवाल, डा. नरेश देशवाल आदि मौजूद रहे।

दैनिक जागरण

Date: 11.04.2024

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व से जुड़ी बातों को सांझा करें : डा. अनुपम

पीटीएम मे भाग लेते हुए अभिभावक • पीआरओ

जागरण संवाददाता • जींद : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के गणित विभाग की तरफ से मंगलवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डा. अनुपम भाटिया ने कहा कि यह ऐसा मंच है, जहां अभिभावक व अध्यापक आपस में विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी व समस्याएं सांझा करते हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व से जुड़ी बातों को एक-दूसरे से सांझा करना और शैक्षणिक स्तर पर कमियों को दूर करने की कोशिश करना है। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक संदीप सांगवान, सुनीता देवी उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 11.04.2024

पीटीएम के जरिए अभिभावक को मिलती है बच्चों की कमियों व प्रतिभा के बारे में सही जानकारी : डॉ. भाटिया

जींद। सीआरएसयू के गणित विभाग की तरफ से मंगलवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपम भाटिया ने कहा कि इस बैठक के जरिए अभिभावक बच्चों की प्रतिभाओं व कमजोरियों को पहचान पाते हैं। यह ऐसा मंच है जहां अभिभावक व अध्यापक आपस में विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी व समस्याएं साझा करते हैं। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व से जुड़ी बातों को एक-दूसरे से साझा करना और शैक्षणिक स्तर पर विद्यार्थियों की कमियों को दूर करने की कोशिश करना है। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक संदीप सांगवान , सुनीता देवी व अन्य शिक्षक गण उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर
ई-पेपर

Date: 11.04.2024

बाबा साहेब आंबेडकर ने शिक्षा को उन्नति और सामाजिक समरसता का माध्यम माना : डॉ. रणपाल सिंह

जींद | सीआरएसयू में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों को डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के संघर्ष व समाज सुधार संबंधित फिल्म दिखाई गई। फिल्म में बाबा साहब द्वारा किए गए संघर्षों, विशेष तौर पर नारी उत्थान, पीड़ित वर्गों के उत्थान और तमाम विपरीत परिस्थितियों से जूझते हुए बाबा साहब के राष्ट्र निर्माण में योगदान को दर्शाया गया है। कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर ने शिक्षा को उन्नति और सामाजिक समरसता का माध्यम माना। उन्होंने शिक्षा को अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया और स्वतंत्रता, स्वावलंबन और आत्मसमर्पण के माध्यम से जनता को शिक्षित करने का संकल्प लिया।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

Date: 11.04.2024

अभिभावकों व शिक्षकों के बीच कुशल संवाद से विद्यार्थियों के प्रदर्शन में होती है वृद्धि

सवेरा न्यूज/नरेंद्र

जींद, 10 अप्रैल : चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग, लोक प्रशासन विभाग, समाजशास्त्र विभाग और राजनीति विज्ञान विभाग द्वार बुधवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय स्तर पर अभिभावकों और शिक्षकों के बीच संपर्क विद्यार्थियों के उत्कृष्ट विकास में सहायक होगा। विभाग प्रभारी डा. सुनील फोगाट ने सभी अभिभावकों का स्वागत करते हुए कहा कि किसी छात्र की शैक्षणिक प्रगति के बारे में माता-पिता और शिक्षकों के बीच कुशलतापूर्वक संवाद करने से छात्रों के प्रदर्शन में वृद्धि हो सकती है। इससे शिक्षकों को छात्रों को उनके शैक्षणिक लक्ष्यों की ओर सही दिशा में आगे बढ़ाने में मदद मिलती है। बैठक में बातचीत करते हुए सभी को अवगत कराया गया कि विश्वविद्यालय में छात्रों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं और छात्रों को इनका लाभ उठाना चाहिए तथा विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई। विभागों के इंचार्ज डा. विजय कुमार, डा. राकेश सिंह कुमार, डा. मंजू राजेश, डा. अंजू रानी आदि ने बताया अभिभावक-शिक्षक बैठक सहयोग का एक ऐसा अवसर है, जिसमें माता-पिता अपने बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर सभी अभिभावकों ने अपने विचारों का आदान-प्रदान किया और विभाग के संदर्भ में अपनी-अपनी प्रतिपुष्टि प्रदान की जिससे विभाग निरंतर उन्नति कर सकें। इस अवसर पर डॉक्टर दीपक कुमार, डॉक्टर रितु रानी, डा. विक्रम, डा. नीलम सिंह, डा. पूनम, डा. दीपिका, डा. सुदेश, डा. प्रीति और डा. संदीप, डा. रेखा, संतोष रानी, रीना रानी, बलजीत, अशोक व मनोज भी उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय में अभिभावक-शिक्षक मीटिंग में पहुंचे अभिभावक।